राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने 'गणतंत्र दिवस' के सुअवसर पर गाँधी मैदान में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया

पटना, 26 जनवरी 2018

आज महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने गणतंत्र दिवस–2018 के सुअवसर पर स्थानीय गाँधी मैदान में पूर्वाह्न 09:00 बजे राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया। इसके पूर्व, राज्यपाल शहीद–ए–कारगिल स्मृति स्थल, पटना गये और अमर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि निवेदित की। राज्यपाल के गाँधी मैदान पहुँचने पर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उनका स्वागत किया, राष्ट्रीय सलामी दी गई तथा बाद में राज्यपाल ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय धुन बजाई गई। राज्यपाल ने 'मार्च पास्ट' की भी सलामी ली तथा उनके द्वारा गणतंत्र दिवस–2018 के अवसर पर 'शौर्य पुरस्कार' से अलंकृत विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किये गये। राज्यपाल ने विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों द्वारा निकाली गयी झाँकियों को भी अवलोकित किया।

राज्यपाल श्री मलिक ने ऐतिहासिक गाँधी मैदान में 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर राज्य की जनता को संबोधित करते हुए उन्हें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन एवं न्याय के साथ विकास के लिए सार्थक प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में 'कानून का राज' स्थापित रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के विरूद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कायम है। उन्होंने 'बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम', 'सुशासन के कार्यक्रम', 'विकसित बिहार के सात निश्चय', 'लोक संवाद कार्यक्रम', 'बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना', 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना', 'कुशल युवा कार्यक्रम', 'बिहार स्टार्ट–अप नीति', 'बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन अधिनियम–2016' आदि का उल्लेख करते हुए इनके सफल कार्यान्वयन की बात कही।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विकासात्मक कार्यों का लाभ समाज को तबतक शत प्रतिशत नहीं मिलता है, जबतक कि समाज व्याप्त कुरीतियों के प्रति जागरूक नहीं हो। इसलिए समाज–सुधार के कार्यक्रमों को भी पूरी तत्परता के साथ लागू किया जाना आवश्यक है। समाज में व्याप्त अधिकांश कुरीतियों से सबसे अधिक महिलायें प्रभावित होती हैं। इस पृष्ठभूमि में सरकार ने पूर्ण शराबबंदी लागू की तथा उसके बाद पूर्ण नशाबंदी का संकल्प लिया है। संपूर्ण बिहार में इसके प्रति जनसामान्य, विशेषकर महिलाओं, युवाओं एवं बालक–बालिकाओं में काफी उत्साह है। सभी के सहयोग से शराबबंदी एक सामाजिक अभियान का रूप ले चुकी है। पूर्ण शराबबंदी से समाज अधिक सशक्त, स्वस्थ एवं संयमी हुआ है, जिसका अतुल्य प्रभाव बिहार की प्रगति में परिलक्षित हो रहा है। शराबबंदी के कारण परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार तथा पारिवारिक हिंसा, घरेलू कलह एवं सामाजिक अपराध में कमी आई है।

लगातार.....पृष्ठ...2 पर

श्री मलिक ने कहा कि राज्य सरकार ने सामाजिक सुधार की इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए गत वर्ष 2 अक्टूबर से बाल–विवाह एवं दहेज–प्रथा के उन्मूलन हेतु राज्यव्यापी अभियान प्रारंभ किया है। बाल–विवाह और दहेज–प्रथा के विरूद्ध वर्तमान में कानूनों के प्रवृत्त होने के बाद भी दोनों कुरीतियाँ समाज में व्याप्त हैं और इसलिए इनके विरूद्ध सभी के सहयोग से सामाजिक अभियान चलाना आवश्यक था। बाल–विवाह एवं दहेज प्रथा उन्मूलन अभियान के माध्यम से शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर, लैंगिक असमानता, कुपोषण एवं बौनापन, लड़कियों में असुरक्षा की भावना, अशिक्षा आदि समस्याओं को कम करने में सहायक होगा। 21 जनवरी को बाल विवाह तथा दहेज प्रथा के विरूद्ध बिहारवासियों ने लगभग 14 हजार किलोमीटर लंबी मानव–श्रृंखला बनाकर इस अभियान के समर्थन में अपने संकल्प का प्रकटीकरण किया है।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार गौरवशाली इतिहास और संपन्न विरासत से परिपूर्ण है। विकास के साथ–साथ कला, संस्कृति एवं पर्यटन क्षेत्र के संवर्द्धन पर राज्य सरकार का विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष 23 से 25 दिसम्बर तक श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व का 'शुकराना समारोह' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने इस आयोजन में भाग लिया। बापू के 'चम्पारण सत्याग्रह' की ऐतिहासिक स्मृति के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2017–18 को 'चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह' के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर महात्मा गाँधी एवं चम्पारण–सत्याग्रह से जुड़े स्थलों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। इस अवधि में बापू के आदर्श एवं संदेशों को घर–घर तक पहुँचाया गया है तथा बच्चों को महात्मा गाँधी के विचारों एवं आदर्शों से अवगत कराया जा रहा है। राज्यपाल ने बताया कि चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का समापन आगामी 'बिहार दिवस' के अवसर पर किया जायेगा। '1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' के महानायक बाबू वीर कुँवर सिंह के 160वें विजयोत्सव के अवसर पर 23 से 25 अप्रैल, 2018 तक तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

श्री मलिक ने कहा कि बिहार राज्य में सभी जाति, धर्म और सम्प्रदाय के बीच अनुकरणीय समन्वय है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि समाज में सद्भाव एवं भाईचारा का वातावरण कायम रहे। 'गणतंत्र दिवस' के शुभ अवसर पर राज्यपाल ने बिहारवासियों को आह्वान करते हुए कहा कि बिहार को आर्थिक रूप से सबल तथा सामाजिक एवं नैतिक रूप से सशक्त बनाने में सभी अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें। उन्होंने गणतंत्र दिवस के अवसर पर समारोह में उपस्थित सभी लोगों एवं समस्त बिहार वासियों को अपनी शुभकामनाएँ दी। **(राज्यपाल के संपूर्ण सम्बोधन की प्रति संलग्न)**

गणतंत्र दिवस समारोह–2018 में प्रदर्शित की जाने वाली झाँकियों में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना (शिक्षा विभाग, बिहार, पटना) को प्रथम पुरस्कार, उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना (उद्योग विभाग, बिहार) को द्वितीय पुरस्कार तथा जीविका परियोजना, बिहार, पटना को तृतीय पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गई। साथ ही बेस्ट पैरेड के लिए प्रोफेशनल ग्रुप में सी॰आर॰पी॰एफ एवं नन–प्रोफेशनल में एन॰सी॰सी॰ ए॰आई॰आर॰, बेस्ट टर्न आउट प्रोफेशनल ग्रुप में एस॰एस॰बी॰ तथा नन–प्रोफेशनल के लिए एन॰सी॰सी॰ आर्मी गर्ल्स, बेस्ट प्लाटून कमाण्डर प्रोफेशनल ग्रुप में एस॰टी॰एफ एवं नन प्रोफेशनल में एन॰सी॰सी॰ आर्मी ब्यायज को पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गई।

.....